B-4
L-11
Indian Society

खाप पंचायत एवं प्रतिष्ठा हत्या

- खाप पंचायत का अर्थ
- सर्वखाप पंचायत का अर्थ
- प्रतिष्ठा हत्या का अर्थ
- खाप पंचायत एवं प्रतिष्ठा हत्या के पक्ष में तर्क
- खाप पंचायत एवं प्रतिष्ठा हत्या के विपक्ष में तर्क
- समीक्षा

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

अर्थ →

सामाजिक प्रशासन की व्यवस्था हेतु निर्मित एक समूह जो मुख्यत: गोत्र समूह होता है और जिसका संबंध जाट जाति से है व जिसके अंतर्गत कई गाँव शामिल होते हैं। ये गाँव वाले मुख्यत: एक ही गोत्र के होते हैं जिनके नाम से यह खाप पंचायत जानी जाती है, परंतु

इन गाँवों में रहने वाले दूसरे गोत्र एवं जाति के लोग भी इनमें शामिल होते हैं।

सर्वखाप पंचायत का अर्थ→

यह जाट जाति की सर्वोच्च पंचायत है। जिसमें सभी खाप भाग लेते हैं तथा जब कभी सामाजिक नियमों परंपराओं से जुड़ी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं या कोई आधुनिक समस्या भी उत्पन्न होती है, जिसका समाधान खाप स्तर पर नहीं हो पाता है तब सर्वखाप पंचायत का आयोजन होता है व उनका निर्णय मानना अनिवार्य होता है।

प्रतिष्ठा हत्या का अर्थ→

वह हत्या जो परंपराओं, मान्यताओं, जातिगत

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

नियमों आदि के उल्लंघन करने वालों को परंपरा संरक्षण के नाम पर की जाती है, प्रतिष्ठा हत्या कहलाती है।

खाप पंचायत से जुड़ी / संबंधित प्रमुख घटना एवं सुप्रीम कोर्ट का निर्णय →

- जून 2007 में हरियाणा के कैथल जिले के करोरा गाँव के एक नव-दंपत्ति मनोज एवं बबली की हत्या का निर्णय खाप पंचायत द्वारा प्रतिष्ठा हत्या के नाम पर दिया गया क्योंकि वे दोनों जाट जाति के एक ही गोत्र बनवाला से संबंधित थे।
- मार्च 2010 में उपरोक्त हत्या के लिए 5 दोषियों को मृत्युदण्ड दिया गया।
- खाप पंचायत के ऐसे

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में खाप पंचायत को गैर-कानूनी करार दिया, इसे कंगारू कोर्ट की संज्ञा दी और प्रतिष्ठा हत्या को असभ्य व घृणास्पद एवं गैर-कानूनी बताया।

- सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों (तमिलनाडु में कट्टा पंचायत आदि) के प्रतिष्ठा हत्या मामलों से संबंधित DM एवं अन्य अधिकारियों को निलंबित करके और उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने और विभागीय कार्यवाही करने का निर्देश दिया ताकि ऐसी हत्याओं को रोका जा सके।

- 27 मार्च 2018- शक्ति वाहिनी (NGO) के PIL पर सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
© KHAN SIR ©

दिया कि-

यदि दो बालिगों ने अपनी मर्जी से शादी की है तो इस शादी को लेकर खाप पंचायत का फरमान गैर-कानूनी है और यदि ऐसा कोई संगठन करता है तो इसे रोकने हेतु केन्द्र सरकार को कानून का निर्माण करना चाहिए।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिष्ठा हत्या एवं खाप पंचायत द्वारा ऐसे विवाह को रोकने के फैसलों को रोकने हेतु दस बिन्दुओं का एक गाइडलाइन जारी किया गया और कहा गया कि- जब तक केन्द्र सरकार इस पर कोई कानून का निर्माण नहीं कर लेती तब तक यह गाइडलाइन

जारी रहेगा।

खाप पंचायत की अन्य गतिविधियाँ एवं निर्णय →

- विवाह संबंधी परंपरागत निषेधों के उल्लंघन करने वालों के हत्या का निर्णय।
- पाश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण करने का विरोध।
- दहेज, कन्या भ्रूण हत्या, भूमि अधिग्रहण, बाल विवाह आदि का विरोध।
- स्त्री शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण एवं जातीय आधारित आरक्षण का समर्थन।

खाप पंचायत एवं प्रतिष्ठा हत्या के पक्ष में तर्क →

- परंपराओं की रक्षा एवं पहचान संकट

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

का समाधान।

- विवाह संबंधी निषेधों के पालन से रक्त मिश्रण से उत्पन्न होने वाली विकृतियों से रक्षा।
- सामुदायिक एकता में सहायक।
- सामाजिक प्रशासन में सहायक।
- दबाव समूह के रूप में सक्रिय होकर शक्ति के विकेंद्रीकरण एवं लोकतंत्र के विकास में सहायक।
- आधुनिक मुद्दों का समर्थन करके, आधुनिक समाज के निर्माण में सहायक (जैसे- दहेज प्रथा का विरोध, कन्या भ्रूण हत्या का विरोध, स्त्री शिक्षा का समर्थन आदि)।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

खाप पंचायत एवं प्रतिष्ठा हत्या के विपक्ष में तर्क →

- परंपरा के नाम पर कट्टरतावाद को बढ़ावा (सर्वोच्च न्यायालय)।
- संवैधानिक मूल्यों के विपरीत व गैर - कानूनी।
- आधुनिक समाज के निर्माण में बाधक।
- पितृसत्तात्मकता का संरक्षण व लिंग समानता का विरोध।
- अमानवीय गतिविधि।

समीक्षा →

हाल के वर्षों में खाप पंचायत की गतिविधियों में, प्रतिष्ठा हत्या जैसे

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

मामलों ने इसे चर्चा का विषय बना दिया है क्योंकि यह गैर-कानूनी, अलोकतांत्रिक एवं अमानवीय है, इसलिए इसमें संलग्न लोगों को कठोर दण्ड देना चाहिए, पीड़ितों को संरक्षण देना चाहिए और ऐसे निर्णयों को रोका जाना चाहिए।

- खाप पंचायत की इस नकारात्मक भूमिका को देखते हुए प्रश्न स्वभाविक हो जाता है कि- क्या इसे पूर्णतः समाप्त कर देना चाहिए?

↓

इस संदर्भ में निष्कर्ष है कि- इस प्रकार की पंचायत को पूर्णतः समाप्त करना न तो तर्कसंगत है और न ही व्यवहारिक रूप से

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

संभव है। इसलिए इसके नकारात्मक कार्यों पर कठोरता से रोक लगाते हुए, इसके सामूहिक ऊर्जा का सकारात्मक कार्यों में प्रयोग किया जाना चाहिए।

कन्या भ्रूण हत्या, स्त्री शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण आदि के पक्ष में इस पंचायत को जागरूकता का मंच बनाकर इसके लाभों को प्राप्त किया जा सकता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Q1- प्रतिष्ठा हत्या क्या है? क्या यह हमारे सामाजिक/ परम्परा संरक्षण हेतु उपयुक्त है? उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।